भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी कार्यपत्रिका - तताँरा वामीरो कथा -5

कक्षा : X दिनांक :

प्रश्नोत्तर

प्र1.तताँरा-वामीरो कहाँ की कथा है ?

उ1.तताँरा-वामीरो देश के उन द्वीपों की कथा है, जो आज लिटिल अंदमान और कार-निकोबार नाम से जाने जाते हैं । कहा जाता है कि कभी ये दोनों द्वीप एक थे ।

प्र2.वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई ?

उ2.समुद्र की ऊँची लहर ने वामीरो को पूरी तरह से भिगो दिया । इसी हड़बड़ाहट में वामीरो अपना गाना भूल गई ।

प्र3.तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की ?

उ3.तताँरा ने वामीरो से याचना की कि वह अपना मधुर गाना पूरा करे । बाद में उसने उसका नाम जानने और अगले दिन भी वहाँ आने की याचना की ।

प्र4.तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी ?

उ4.तताँरा और वामीरो के गाँव की यह रीति थी कि वहाँ के निवासी केवल अपने गाँव वालों के साथ ही विवाह कर सकते थे । गाँव के बाहर के किसी लड़के या लड़की से विवाह करना अनुचित माना जाता था ।

प्र5.क्रोध में तताँर ने क्या किया ?

उ5.अपनी लकड़ी की तलवार निकाली । उससे किसी पर प्रहार न कर, धरती में घोंप दिया। फिर ताकत से उसे खींचने लगा । द्वीप के अंतिम सिरे तक धरती चीरकर उसे दो हिस्सों में बाँट दिया ।

<u>प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में)लिखिए -</u>

प्र1.तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या मत था ?

उ1.तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का यह मत था कि यह तलवार लकड़ी की जरूर है, किंतु इसमें अद्भुत दैवीय शक्ति विद्यमान है । तताँरा सदा इस तलवार को अपने साथ रखता है तथा कभी इसका उपयोग नहीं करता ।

प्र2.वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से क्या जवाब दिया ?

उ2.वामीरो ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया कि पहले बताओ तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण क्या है ? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के

युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं हूँ ।

प्र3.तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

उ3.तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से उनके गाँवों की जड़ परंपरा टूट गई ।वैवाहिक संबंधों पर लगी रोक हटा दी गई।अब दोनों गाँवों में आपसी विवाह हो सकते हैं ।

प्र4.निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे ?

उ4.तताँरा एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था ।वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था ।वह सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था । उसके त्याग, आकर्षक व्यक्तित्व, आत्मीय स्वभाव और सहयोग की भावना की वजह से निकोबार के लोग उसे बेहद पसंद करते थे ।

<u>प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में)लिखिए -</u>

प्र1.निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है ?

उ1.निकोबारियों का विश्वास है कि पहले अंदमान और निकोबार दोनों द्वीप एक ही थे । अविभक्त निकोबार में परंपरा थी कि एक गाँव का व्यक्ति दूसरे गाँव की लड़की से विवाह संबंध नहीं रख सकता ।तताँरा नाम के एक युवक को अन्य गाँव की एक लड़की वामीरो से प्रेम हो गया । परंतु गाँव वालों ने मिलकर इसका विरोध किया और तताँरा का अपमान किया । इस परंपरा को तोड़ने के लिए उसने अपनी तलवार से धरती को दो टुकड़ो में चीर दिया।तब से ये दोनों द्वीप अलग हैं ।

प्र2.तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया ? वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

उ2.तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद समुद्र के किनारे टहलने चला गया। शाम का समय था और समुद्र से ठंडी बयारे आ रही थीं । समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबनेवाली किरणें समुद्र के पानी में सतरंगी छटा बिखेर रही थीं । पक्षियों की सायंकालीन चहचहाहटें धीरे-धीरे क्षीण होती जा रही थीं । सचमुच उस ढलती शाम का सौंदर्य अद्भुत था ।

प्र3.वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया ?

उ3.वामीरो से मिलने के बाद तताँरा का हृदय व्यथित रहने लगा ।वह पूरा दिन वामीरो से मिलने की प्रतीक्षा मे बिता देता ।शाम ढलने से पहले ही वह लपाती की उसी समुद्री चट्टान पर पहुँच जाता, जहाँ वह वामीरो से पहली बार मिला था ।उसके होंठ मानो सिल गए थे । वह केवल नि:शब्द होकर वामीरो का निहारता रहता था ।

प्र4.प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

उ4.प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के अनोखे उपाय थे । उसमें पशु भी शामिल होते थे । पशु-पर्व के आयोजन होते थे । उसमें हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन होता था।युवकों की शक्ति-परीक्षा के लिए उन्हें पशुओं से भिड़ाया जाता था । वर्ष में एक मेला ऐसा होता था जिसमें सभी गाँवों के लोग इकट्ठे होते थे । उसमें बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी

प्रबंध होता था ।

प्र5.रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों स्पष्ट कीजिए ।

उ5.रूढ़ियाँ होती ही बंधन है ।'रूढ़ी' का अर्थ है - ऐसा बंधन, जिससे लोकहित होने के बजाय अहित होता है । जो परंपरा लोगों के विकास, आनंद और इच्छा-पूर्ति में बाधा बने, वह रूढ़ी का टूट जाना ही अच्छा है ,क्योंकि मनुष्य की सारी परंपराएँ या रूढ़ियाँ मानव के विकास के लिए हैं । कोई भी परंपरा मानव से अधिक मूल्यवान नहीं है । अतः मानव हित के लिए किसी भी बाधक रूढ़ी का टूट जाना अच्छा है ।